सफल राजस्थान

डाक पं. संख्या :
जयपुर सिटी/129/2018-20

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

वर्ष- 3 | अंक-34 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर 8 अप्रेल, 2019 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

जस-19 को देखने उमड़ी भारी भीड़

दस हजार विजिटर्स पहुंचे शो में, बेस्ट बूथ का हुआ चयन

सफल राजस्थान

जयपुर। लोगों के आकर्षण का केन्द्र बने ज्वैलरी शो जस 19 में दूसरे दिन भारी भीड़ नजर आई पहले दिन बीटूबी होने की वजह से जो विजिटर्स शो में दूसरे दिन एंटर होने का इंतजार कर रहे है थे एक वजह तो यह रही। ओर दूसरी वजह रविवार का अवकाश होने के चलते देश भर से आये विजिटर्स बायर्स और आम लोगों ने इसका लाभ उठाते हुए रंगीन रत्नों और ज्वैलरी को न सिर्फ परखा बल्कि जमकर खरीदारी भी की।

अध्यक्ष संजय काला व सचिव डीपी खण्डेलवाल ने बताया कि 'रियल इज रेयर' थीम पर आयोजित जस 19 न सिर्फ आने वाले बायर्स को ही बल्कि विजिटर्स और आम लोगों को भी खूब भा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लग जाता है कि पहले दिन बीटूबी होने के बावजूद रविवार दूसरे दिन भी बढ़ी संख्या में बायर्स बूथ पर ट्रेड इंक्वायरी करते नजर आये वही आगामी वैवाहिक सीजन होने की वजह से आम लोग भी शादी-ब्याह में दी जाने वाली ज्वैलरी पसन्द करते नजर आये। जस शो का आयोजन ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर द्वारा यहॉ जेईसीसी परिसर में किया जा रहा है। जो कि 9 अप्रेल तक चलेगा।

बेस्ट बूथ का हुआ चयन

कन्वीनर रामशरण गुप्ता ने बताया की शो में बने साढ़े चार सौ डिजाईनर बूथो में से बेस्ट डिजाईनर बूथ का चयन कर लिया गया है। इसके लिए चार जजो के पैनल में एआरजी समूह के चेयरमैन आत्माराम गुप्ता, विख्यात आर्किटेक्ट अनूप बरतिया, आर्किटेक्ट रितु खण्डेलवाल और मणिपाल यूनिवर्सिटी की इंटीरियर प्रोफेसर स्नेहा सिंह शामिल हुए। पैनल ने जैम्स कैटेगरी में पहले स्थान पर आरएमसी जैम्स, दूसरे स्थान पर अंश ज्वेल्स और तीसरे स्थान पर ब्लिस जैम्स एण्ड मिनरल को घोषित किया इसी तरह ज्वैलरी सेशन में से बेस्ट डिजाइनर बूथ का पहला स्थान ज्वैल्स ऑफ जयपुर, दूसरे स्थान पर जयपुर रत्ना और तीसरे स्थान पर घाटीवाला ज्वैलर्स को घोषित किया। जबकि सांत्वना पुरस्कार करणीकरा ज्वैलर्स को मिला।

संगीत का लिया जमकर लुफ्त

उन्होने आगे कहा की जीजेईपीसी द्वारा स्टोन प्रमोशन के लिए शो के पहले दिन सजाई गई म्यूजिकल इवनिंग में सिंगर अलीकुलि मिर्जा ने अपनी चिर-परिचित अंदाज पर लाइव बेंड के साथ नए और पुराने गानों की प्रस्तुति दी। मिर्जा द्वारा गाये गीतों ने सभी उपस्थित ज्वैलर्स और आमंत्रित मेहमानो को नाचने पर मजबूर कर दिया। इस संगीत कार्यक्रम में जीजेईपीसी चेयरमैन प्रमोद डेरेवाला और मुख्य अतिथि कस्टम कमिश्नर सुभाष अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एडि. एसपी क्राइम, प्रसन्न कुमार खेमसरा का स्वागत ज्वैलर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय काला सचिव डीपी खण्डेलवाल, शो के एडवाईजर निर्मल बरडिया और विजय केडिया ने अपनी टीम के साथ किया। इस मौके पर ज्वैलर एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित जैमवर्ल्ड का विमोचन भी किया गया।

सोशल मिडिया की भूमिका बढ़ी

सहसंयोजक अशोक बागला और मनोज धांधिया ने बताया की शो के दूसरे दिन रोल ऑफ डिजिटल मार्केटिंग एण्ड सोशल मिडिया पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने बताया की आज किस तरह से मांगों के चलते बिजनेस में डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया की भूमिका निरंतर बढ़ती ही जा रही है। अब इस पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। क्योंकि इनके जरिए टारगेट तक पहुंचना बेहद आसान हो गया है। सेमिनार में ज्वैलरी टेलिविजन नेटवर्क जैमपोरिया के मनोज गोयल ज्वैलरी ब्लॉगर प्रेरणा मखेरिया ज्वैलर अभिषेक रानीवाला, अंकित लोढ़ा और अभिषेक धांधिया स्पीकर थे।

जीआइए एल्युम्नाइ मीट एवं ग्रीट

शो में पार्टीसिपेट कर रहे ज्वैलर यश धामाणी ने कहा की रविवार कोपरिसर में स्थित जस ऑफिस में जीआईए द्वारा एल्युम्नाइ मीट एण्ड ग्रीट में फ्यूचर ऑफजैम स्टोन, फ्यूचर ऑफ ज्वैलरी और फ्यूचर ऑफ डिजाइन जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

रैफरल ड्रॉ

शो में रोजाना रैफरल ड्रॉ भी निकाला जाता है। दूसरे दिन का रैफरल ड्रॉ पुलिस कमिश्नर, आनंन्द श्रीवास्तव द्वारा निकाला गया। विजेता को पचास हजार की ज्वैलरी अशोक महेश्वरी बागला की ओर से प्रदान की गई।

प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसियेशन ने मनाया

रंगारंग होली स्नेह मिलन समारोह

अंबिका पाइप की ओर से एक डीलर मीट का भी आयोजन

सफल राजस्थान

जयपुर। गुरुवार को सीकर रोड राजावास स्थित अनंतम गार्डन में प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। एसोसिएशन द्वारा होली स्नेह मिलन के रूप में एक रंगारंग शाम सजाई गई। इस कार्यक्रम में गिरधारी संस्थान के गिरधारी लाल डांगी व उनकी पार्टी ने सभी को मंत्र मुक्त कर दिया उनके द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली राजस्थानी गीत संगीत से भरपूर नृत्य अपने आप में अनूठे थे। इस कार्यक्रम में प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन राजस्थान के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत, महासचिव जी जी गुप्ता, संयुक्त सचिव संजय सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्कर बंसल, उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने भी फूलों की होली का भरपूर आनंद लिया। इस मौके पर मध्य में अंबिका पाइप की ओर से एक डीलर मीट का भी आयोजन हुआ। जहां डीलर्स को सम्मानित किया गया इस मौके पर भी एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे।

सखी सहेली शिल्पी फाउंडेशन ने मनाया गणगौर उत्सव

सफल राजस्थान

जयपुर । सखी सहेली शिल्पी फाउंडेशन क्लब और तीर्थ नगर विकास समिति के सयुक्त तत्वावधान मे गणगौर उत्सव मनाया गया, इस मौके पर गणगौर माता की झांकी गाजे बाजे के साथ हरी हर मंदिर श्याम नगर मे निकाली, साथ बडी संख्या में सजी धजी महिलाओ ने गोर गणगौर की पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा की, इस मौके पर डांस, मेहंदी और रेमवोक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम आयोजक शिल्पी अग्रवाल ने बताया कि क्लब की तरफ से हर वर्ष गणगौर का पर्व इसी तरह से पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया जाता है, ताकि नई पीढ़ी को भी हमारी संस्कृति की जानकारी रहे, शिल्पी ने बाताया की सी बार क्लब के इस आयोजन में तीर्थ नगर विकास समिति का सहयोग रहा है जिसकी वजह से आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास थे, वही विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी गोविंद अग्रवाल थे, मुख्य प्रोग्राम्स यादगार रहे उन मे सुनीता शर्मा द्वारा गणेश पूजा और संतोष, नीलम सकुंतला, सुनीता वजयवर्गीय, अनु त्रिपाठी, सुनीता द्वारा ईशर गणगौर के परिधानों मे गोरी पूजा और कनिका बगेरिया का नृत्य और विधि इन्दोरिया का कत्थक प्रमुख रहा, शिल्पी अग्रवाल और अशोक चौमाल की भूमिका इस सांस्कृतिक आयोजन मे सराहनीय रही इस मे चीफ गेस्ट प्रताप सिंह खाचरियावास के द्वारा विजयेता को प्राइज दी गई और विशिष्ट अतिथि गोबिंद अग्रवाल मनोज मुदगल, ऋतु अग्रवाल मोना शर्मा और अनिल तिवारी, विमल यादव सभी ने आयोजन को उत्साहित किया।

फोर्टी कार्यकारिणी समिति की मीटिंग होटल हिल्टन में हुई सम्पन्न

सफल राजस्थान

जयपुर। बुधवार को होटल हिल्टन, हवा सड़क, जयपुर में फोर्टी कार्यकारिणी की मीटिंग फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन हुई जिसमे सर्वप्रथम माननीय नवनिर्वाचित आदर्श नगर विधायक रफीक खान जी का स्वागत करने के पश्चात मीटिंग का प्रारम्भ किया गया। इस आयोजित मीटिंग में जी.एस.टी. एवं अन्य व्यापारिक विषयों पर चर्चा की गई साथ ही फोर्टी द्वारा अपने 2016-2019 के कार्यकाल सत्र में जी भी कार्य किये गये उन पर विस्तृत चर्चा की गई इसके साथ ही फोर्टी नई कार्यकारिणी के चुनाव वर्ष 2019-22 के लिये दिनांक 28 अप्रैल निर्धारित की गई और मीटिंग के समापन के बाद फोर्टी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के मनोरंजन के लिये गीत संगीत के प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

एन.के. पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

सफल राजस्थान

जयपुर। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षण संकुल के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच व निदेशक कुलदीप सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप-प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में आयोजित सह-शैक्षिक गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ रहें विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों को उनके परिणाम-पत्रक उन्हें उपाधि स्वरूप प्रदान किये गए। इसके साथ ही अध्यापकों के समक्ष सभी विद्यार्थियों ने अपने अध्ययन को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया।

अध्यापक-अभिभावक संगोष्ठी के अन्तर्गत प्रबंध निदेशक महोदय ने विद्यार्थियों को शुभाशीष देते हुए, जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संस्था के निदेशक कुलदीप सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शैक्षिक गतिविधियों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों में भागीदारी हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रधानाचार्या सुश्री चित्रा राजे बसेरा ने मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के प्रति पूर्ण समर्पण ही एक योग्य अध्यापक की पहचान है इसलिए उनके इसी समर्पण की छवि हम विद्यार्थियों के उत्तम परिणाम के रूप में देख सकते हैं। अभिभावकों एवं शिक्षकों का दायित्व है कि वे बच्चों पर विष्वास करते हुए उन्हें नई-नई जिम्मेदारियां सौंपे, जिम्मेदारियों से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।

विजयवर्गीय वैश्य : महिला मंडल 'गणगौर उत्सव'

सफल राजस्थान

जयपुर। 'हर दिन खुशी ए हर त्यौहार', 'ये ही है मेरे राजस्थान की पहचान' बस इन्हीं खुशियो के सौग़ात से भरे त्यौहारों से राजस्थान की संस्कृति और परंपरा की पूरी दुनिया में पहचान है। त्योहार को अनोखा, अनूठा और स्मरणीय बनाने मे महिलाओं का अहम योगदान होता है। हर त्यौहार का जुड़ाव महिलाओं से होता है और वो ही अपने सोलह सिंगार से सबके साथ मिल कर त्यौहार की खुशियां चारो तरफ बिखेर देती है।

'हर दिन एक त्यौहार' के आगाज़ के साथ विजयवर्गीय वैश्यद्ध महिला मंडलए जयपुर की सभी सदस्यायें गणगौर बन अपने ईसर को रिझाने और अपने परिवार और समाज की मंगल कामना के लिये जयपुर हैरिटेज, जेएल.एन. मार्ग में गणगौर उत्सव के लिये एकत्रित हुई।

होली के बाद मौक़ा था गणगौर उत्सव का। राजस्थानी संस्कृति की परिचायक राजपूती लहंगा ओढ़नी पहने हाथों मे मेहंदी की रंगत ए नख से शीश तक सोलह सिंगार कर फूल पाती से सजी जेगढ़ के साथ जे.एल.एन. मार्ग पर जयपुर हेरिटेज में गीत गाती हुई आई। गणगौर आस्था प्रेम और पारिवारिक सौहार्द का सबसे बडा उत्सव है जहाँ कुँवारी सदस्यों ने गण;शिवद्ध तथा गौ़र :पार्वती के इस पर्व पर मनपसंद वर की कामना की और विवाहित सदस्यों ने अपने वर के दीर्घायु की कामना की। मंडल अध्यक्ष शकुंतला विजयवर्गीय ने बताया की इस अवसर पर सभी महिला सदस्यों ने मिलकर लोकगीत गाये व लोकगीतों पर शानदार नृत्य किया। ईसर-गणगौर की गीतों के साथ पूजा अर्चना की तथा बहुत सारे कल्चरल प्रोग्राम हुए ण्ण्ण्ण। निर्मला व सीमा विजयवर्गीय ईसर जी के गेटअप में मोहक प्रतीत हो रही थी।

कार्यक्रम की संयोजिका श्यामा व सरिता रही। उन्होंने संस्कृति संस्कार के मेल के साथ बहुत ही रोचक गणगौर पर आधारित गेम खिलाये गए। 'मेरा श्रृंगार मेरे रिश्तो के नाम' गेम में एक मिनिट के अंदर श्रृंगार पेटी में से एक एक सिंगार का सामान निकाल कर उसे अपने परिवार के रिश्तों की साथ जोड़ कर रिश्तो को श्रृंगारित करना था। जो गणगौर सबसे ज्यादा अपने रिश्तों के नाम लेगी वो विजेता। रिश्तो को श्रृंगार करने में इंदु और कविता विजयवर्गीय विजयी रही। उत्सव में भाग्यशाली गणगौर सपना, राधा व रीतू विजयवर्गीय रहीं। सभी ने अखंड सौभाग्य एअपने पीहर तथा ससुराल की खुशहाली का संदेश दिया और हर वर्ष राजस्थान की संस्कृति से अपनी आने वाली पीढ़ी को रुबरू कराने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय ... विमला देवी

चुनावी जुमले

चुनाव के वक्त राजनेता अक्सर बड़े-बड़े मुद्दों को जुमलों में तब्दील कर उनके समाधान के सपने दिखाते रहते हैं। अक्सर ऐसे भी मसलों पर वे बोलना शुरू कर देते हैं, जिनका समाधान संविधान संशोधन के बगैर हो नहीं सकता। चुनाव के वक्त राजनेता

अक्सर बड़े-बड़े मुद्दों को जुमलों में तब्दील कर उनके समाधान के सपने दिखाते रहते हैं। अक्सर ऐसे भी मसलों पर वे बोलना शुरू कर देते हैं, जिनका समाधान संविधान संशोधन के बगैर हो नहीं सकता। इसका नतीजा यह निकलता है कि आम लोगों में उन मसलों को लेकर एक भ्रम की स्थिति बनती है और वे उसे गलत तरीके से व्याख्यायित करना शुरू कर देते हैं। कश्मीर का मुद्दा भी कुछ ऐसा ही है। लंबे समय से कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जा रहा है, जो कि वह है भी, पर उससे जुड़ी धारा तीन सौ सत्तर और अनुच्छेद 35 ए को समाप्त करने को लेकर जिस तरह के भ्रामक बयान दिए जाते रहे हैं, उससे आम लोगों को कश्मीर की वास्तविक समस्या पता ही नहीं चल पाती। धारा तीन सौ सत्तर और अनुच्छेद 35 ए को समाप्त करना भाजपा की बड़ी चुनावी घोषणाओं में शुमार रहा है। इसी तरह कश्मीर की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस आदि राजनीतिक पार्टियां धारा तीन सौ सत्तर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ को बर्दाश्त न किए जाने की घोषणा करती रही हैं। पीडीपी की महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर दोहराया है कि अगर विलय की शर्तों के साथ छेड़छाड़ की गई तो कश्मीर से भारत का संबंध स्वत- विच्छेद हो जाएगा। महबूबा ने यह घोषणा भाजपा अध्यक्ष के उस बयान के जवाब में की कि उनकी पार्टी अनुच्छेद 35 ए को समाप्त कर देगी। इस अनुच्छेद में जुबानी वादा किया गया था कि अगर कश्मीर की कोई लड़की दूसरे प्रांत के किसी व्यक्ति से विवाह कर लेती है, तो कश्मीर की अपनी पैतृक संपत्ति पर उसका कोई अधिकार नहीं होगा। इसी तरह अगर दूसरे प्रांत की कोई लड़की कश्मीरी व्यक्ति से विवाह करके वहां रहने लगती है, तो उसका वहां की संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा। यह अनुच्छेद दरअसल धारा तीन सौ सत्तर की शर्तों को मजबूती प्रदान करने के लिए लागू किया गया था। यानी अगर 35 ए हटता है, तो धारा तीन सौ सत्तर प्रभावित होगी। इस तरह इसके साथ छेड़छाड़ आसान काम नहीं है। यह बात हर राजनीतिक दल समझता है। धारा तीन सौ सत्तर के साथ छेड़छाड़ का अर्थ है विलय की शर्तों को नजरअंदाज करना। यही वजह है कि पिछले चुनाव में खूब जोर-शोर से इसे हटाने की घोषणा करने के बाद, पांच साल तक प्रचंड बहुमत वाली सरकार होने के बावजूद, एनडीए सरकार उस दिशा में आगे नहीं बढ़ पाई। ऐसा नहीं कि महबूबा मुफ्ती इस संवैधानिक अड़चन से वाकिफ नहीं हैं। विलय के नियम और शर्तों को बदलना आसान नहीं है। मगर चूंकि महबूबा मुफ्त कश्मीर के एक ऐसे क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरी हैं, जो अलगाववाद का गढ़ माना जाता है। कश्मीर के मसले पर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर किए बिना वहां के लोगों का विश्वास जीतना मुश्किल है। इसलिए उन्होंने पर्चा दाखिल करने के साथ ही सबसे पहले कश्मीर के विलय संबंधी शर्तों का मुद्दा छेड़ दिया। इस तरह लोगों की भावनाओं को कुरदते रहने से न तो कश्मीर समस्या के हल की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है, और न पड़ोसी देश से मिल रही चुनौतियों से पार पाना आसान होगा। कश्मीर मसले का हल चुनावी रैलियों में जुमलेबाजी से नहीं निकल सकता, इसलिए राजनीतिक दलों को ऐसे गंभीर मुद्दों पर आम लोगों को बरगलाने से परहेज करना चाहिए।

> पीडीपी की महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर दोहराया है कि अगर विलय की शर्तों के साथ छेड़छाड़ की गई तो कश्मीर से भारत का संबंध स्वतः विच्छेद हो जाएगा। महबूबा ने यह घोषणा भाजपा अध्यक्ष के उस बयान के जवाब में की कि उनकी पार्टी अनुच्छेद 35 ए को समाप्त कर देगी। इस अनुच्छेद में जुबानी वादा किया गया था कि अगर कश्मीर की कोई लड़की दूसरे प्रांत के किसी व्यक्ति से विवाह कर लेती है, तो कश्मीर की अपनी पैतृक संपत्ति पर उसका कोई अधिकार नहीं होगा। इसी तरह अगर दूसरे प्रांत की कोई लड़की कश्मीरी व्यक्ति से विवाह करके वहां रहने लगती है।

पाठकों के पत्र

यदि आप आसपास के परिवेश से प्रभावित होकर कुछ लिखने का साहस रखते हैं, **इस पते पर लिखें।**

सफल राजस्थान

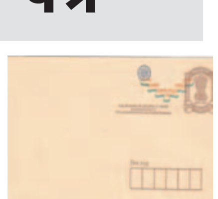

जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार),
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर,
जयपुर -302039
ईमेल-
E-Mail : safalraj2012@gmail.com
मो. : 8829966661

धरती बचाने की चुनौती

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस साल कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन अधिक होगा। अगर ऐसा हुआ तो फिर 2019 अब तक का सबसे गर्म साल रहेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में धरती का तापमान 1880 के बाद से अब तक का चौथा सबसे गर्म तापमान रहा। नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस स्टडीज के मुताबिक 2018 में वैश्विक तापमान 1951 से 1980 के औसत तापमान से 0.83 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। इस स्थिति के लिए काफी हद तक कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन ही जिम्मेदार है। अब तक वायुमंडल में छत्तीस लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और चौबीस लाख टन ऑक्सीजन समाप्त हो चुकी है। अगर यही स्थिति रही तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। वैज्ञानिकों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्लोबल वार्मिंग ही जिम्मेदार है और इससे निपटने की त्वरित कोशिश नहीं हुई तो आने वाली सदियों में धरती खौलते कुंड में बदलने लगेगी। औसत वैश्विक तापमान पिछले सवा सौ सालों में अपने उच्चतम स्तर पर है।

थ्वी के तापमान को स्थिर रखने और कार्बन उत्सर्जन के प्रभाव को कम करने के लिए कंक्रीट के जंगलों के विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर नियंत्रण की जरूरत है। जंगल और वृक्षों का दायरा बढ़ाना होगा। पेड़ और हरियाली ही धरती पर जीवन के मूलाधार हैं। वनों को धरती का फेफड़ा कहा जाता है। धरती पर प्राणवायु ऑक्सीजन से लेकर जरूरी भोजन इसी से मिलता है। बढ़ते प्रदूषण को लेकर बढ़ रही वैश्विक चिंता के बीच यह खुलासा और भी परेशान करने वाला है कि इस वर्ष कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में और तेजी आ सकती है। ब्रिटेन में मौसम विभाग के कार्यालय और एक्जेटर विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि हवाई स्थित मोनालोआ वेधशाला में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता में 1958 से अब तक तीस प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों, वनों की कटाई और सीमेंट उत्पादन है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस साल कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन अधिक होगा। अगर ऐसा हुआ तो फिर 2019 अब तक का सबसे गर्म साल रहेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में धरती का तापमान 1880 के बाद से अब तक का चौथा सबसे गर्म तापमान रहा। नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस स्टडीज के मुताबिक 2018 में वैश्विक तापमान 1951 से 1980 के औसत तापमान से 0.83 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। इस स्थिति के लिए काफी हद तक कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन ही जिम्मेदार है। अब तक वायुमंडल में छत्तीस लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और चौबीस लाख टन ऑक्सीजन समाप्त हो चुकी है। अगर यही स्थिति रही तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। वैज्ञानिकों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यत- ग्लोबल वार्मिंग ही जिम्मेदार है और इससे निपटने की त्वरित कोशिश नहीं हुई तो आने वाली सदियों में धरती खौलते कुंड में बदलने लगेगी। औसत वैश्विक तापमान पिछले सवा सौ सालों में अपने उच्चतम स्तर पर है। औद्योगीकरण की शुरुआत से लेकर अब तक तापमान में 1.25 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक आधी सदी से हर दशक में तापमान में 0.18 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हो रहा है। इक्कीसवीं सदी में पृथ्वी की सतह के औसत तापमान में 1.1 से 2.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की आशंका है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने वायु में मौजूद ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के अनुपात पर एक शोध में पाया है कि बढ़ते तापमान के कारण वातावरण से ऑक्सीजन की मात्रा तेजी से कम हो रही है। पिछले आठ सालों में इसमें काफी गिरावट आई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है उस पर काबू नहीं पाया गया तो अगली सदी में तापमान साठ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक अगर पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है तो आर्कटिक के साथ-साथ अंटार्कटिका के विशाल हिमखंड पिघल जाएंगे। देखा भी जा रहा है कि बढ़ते तापमान के कारण उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव की बर्फ चिंताजनक रुप से पिघल रही है। अगर बर्फ का पिघलना थमा नहीं तो आने वाले वर्षों में न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस, पेरिस और लंदन, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पणजी, विशाखापत्तनम, कोचीन और त्रिवेंद्रम जैसे दुनिया के कई तटीय शहर समुद्र में समाने लगेंगे। साल 2007 की इंटर-गवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ते तापमान के कारण दुनिया भर के करीब तीस पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई अब आधे मीटर से कम रह गई है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर दो से पांच किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। छिहत्तर फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर भी तेजी से सिकुड़ रहा है। अनुमानित भूमंडलीय ताप से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे ध्रुवीय दिशा या उच्च पर्वतों की ओर विस्थापित हो जाएंगी। पृथ्वी पर करीब बारह करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर के समाप्त होने का कारण भूमंडलीय ताप ही था। पर्यावरणविदों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्रीन हाउस गैस, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधन का दहन बड़े कारण हैं। तापमान में कमी तभी आएगी जब वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी। आंकड़ों पर गौर करें तो 2000 से 2010 तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन की दर तीन फीसद सालाना रही, जबकि भारत के कार्बन उत्सर्जन में यह वृद्धि पांच फीसद रही। यानी 2014 की तुलना में 2015 में भारत ने पांच फीसद से ज्यादा कार्बन उत्सर्जित किया। कार्बन उत्सर्जन के लिए सर्वाधिक कोयला जिम्मेदार है। हालांकि अमेरिका और चीन ने कोयले पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। इसके स्थान पर तेल और गैस का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन भारत की कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी कोयले पर निर्भर है। अच्छी बात यह है कि भारत ने पेरिस जलवायु समझौते को अंगीकार करने के बाद क्योटो प्रोटोकाल के दूसरे लक्ष्य को अंगीकार करने की मंजूरी दे दी है। इसके तहत देशों को 1990 की तुलना में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को अठारह फीसद तक घटाना होगा। भारत के इस कदम से अन्य देश भी आगे आएंगे। उद्योगों से निकलने वाली ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए 11 दिसंबर, 1997 को जापान के क्योटो शहर में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में एक सौ बानवे देशों के बीच यह संधि हुई। 16 फरवरी, 2005 को यह प्रभावी हुई। विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को लक्ष्य पूरा करने के लिए आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराना भी इसका हिस्सा है। इसमें औद्योगिक अर्थव्यवस्था वाले बावन देशों ने चार ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 1990 की तुलना में पांच फीसद तक घटाने का लक्ष्य रखा था। अन्य देशों ने भी इसके लिए अपने-अपने लक्ष्य रखे थे। पेरिस जलवायु समझौते पर भी भारत ने दुनिया को राह दिखाई है। सन 2020 से कार्बन उत्सर्जन को घटाने संबंधित प्रयास शुरू करने के लिए दिसंबर, 2015 को यह संधि हुई थी।

// बेलगाम अपराधी //

क्या यही वजह नहीं है कि लोगों ने अब राज्य सरकार की क्षमता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को एक महिला पुलिसकर्मी पर कुछ युवकों ने तेजाब से हमला कर दिया। सवाल है कि आखिर वे कौन-सी स्थितियां हैं, जिनके चलते राज्य में आपराधिक मानसिकता वाले लोगों का हौसला बढ़ता जा रहा है। कहने को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह जताने में कोई कमी नहीं की है कि समूचे राज्य में अपराध के खिलाफ हल्ला बोल दिया गया है और बड़ी तादाद में आपराधिक तत्त्वों पर शिकंजा कसा गया है। खासतौर पर राज्य सरकार पिछले कुछ समय के दौरान मुठभेड़ में मार गिराए अपराधियों का हवाला देकर यह दर्शाती रही है कि वह इस मसले पर काफी सख्त है।

उत्तर प्रदेश में आपराधिक घटनाओं का सिलसिला जिस तरह कायम है, उससे यही सवाल उठता है कि क्या राज्य का प्रशासन पंगु हो गया है या फिर कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर वह बेहद कमजोर साबित हो रहा है! उत्तर प्रदेश में आपराधिक घटनाओं का सिलसिला जिस तरह कायम है, उससे यही सवाल उठता है कि क्या राज्य का प्रशासन पंगु हो गया है या फिर कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर वह बेहद कमजोर साबित हो रहा है! विडंबना है कि आपराधिक वाकयों का दायरा अब किसी सुनसान या अन्य इलाकों तक नहीं सिमटा हुआ है, बल्कि यह विश्वविद्यालय परिसरों में भी फैल रहा है। मंगलवार को बीएचयू यानी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमसीए के एक छात्र की जिस तरह हत्या की गई, वह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस का क्या कर्तव्य है और वे उसके प्रति कितने चौकस हैं। गौरतलब है कि बीएचयू परिसर में बिड़ला छात्रावास के चौराहे के पास एक छात्र को मोटरसाइकिल पर सवार कुछ लोगों ने गोली मार दी और आराम से चलते बने। इस घटना से गुस्साए विद्यार्थियों के हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पर सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि बीएचयू परिसर में इस कदर बेखौफ होकर अपराधियों को गोलीबारी करने की हिम्मत कहां से मिली। दरअसल, पिछले कुछ समय से राज्य में जिस तरह की आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं और उनमें कानूनी कार्रवाई करने को लेकर सरकार और प्रशासन का जो ढीला-ढाला रुख रहा है, उससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा है। यही वजह है कि आज विश्वविद्यालय परिसरों में भी सरेआम हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। हालांकि यह कोई अकेली घटना नहीं है, जिससे राज्य के प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगे हैं। पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाओं की बाढ़-सी आ गई है। क्या यही वजह नहीं है कि लोगों ने अब राज्य सरकार की क्षमता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को एक महिला पुलिसकर्मी पर कुछ युवकों ने तेजाब से हमला कर दिया। सवाल है कि आखिर वे कौन-सी स्थितियां हैं, जिनके चलते राज्य में आपराधिक मानसिकता वाले लोगों का हौसला बढ़ता जा रहा है। कहने को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह जताने में कोई कमी नहीं की है कि समूचे राज्य में अपराध के खिलाफ हल्ला बोल दिया गया है और बड़ी तादाद में आपराधिक तत्त्वों पर शिकंजा कसा गया है। खासतौर पर राज्य सरकार पिछले कुछ समय के दौरान मुठभेड़ में मार गिराए अपराधियों का हवाला देकर यह दर्शाती रही है कि वह इस मसले पर काफी सख्त है। मगर जहां मुठभेड़ में मारे गए लोगों के मामले में राज्य सरकार के रुख पर तीखे सवाल उभरे हैं, वहीं उनका असर भी बाकी आपराधिक घटनाओं पर शायद ही देखने में आ रहा है। जघन्य आपराधिक वारदात का सिलसिला आज भी राज्य में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर मौजूद व्यापक लापरवाही का ही सबूत है। यही वजह है कि आज उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कठघरे में खड़ी है और उससे पूछा जा रहा है कि सत्ता में आने से पहले उसने इस मसले पर जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ। गौरतलब है कि राज्य में पिछली सरकार के कामकाज और सबसे ज्यादा कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा कर ही भाजपा ने राज्य की जनता का समर्थन हासिल किया था। आज महज कुछ सालों के भीतर हालत यह हो चुकी है कि अपराधों के मामले में उत्तर प्रदेश को सबसे ज्यादा गंभीर स्थिति में पहुंच चुके राज्यों में से एक माना जाने लगा है।

कमजोर करने की चाल

सूचना का अधिकार (आरटीआई) बेशक, देश के नागरिकों के सशक्तिकरण के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कानूनों में शुमार है। लोग राशन कार्ड और पेंशन से लेकर बड़े टिकट घोटालों तक, शैक्षणिक योग्यता और सरकारी कर्मचारियों की संपत्तियों से लेकर मानवाधिकारों के हनन तक तमाम मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही इस कानून के जरिए जानना चाहते हैं। ताकतवर और उच्च पदस्थ लोगों से जवाबतलबी में व्यापक रूप से इसका प्रयोग हो रहा है। सूचना हासिल करने के लिए हर साल छह लाख से ज्यादा आवेदन आते हैं। भारत का सूचना का अधिकार कानून विश्व में सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाला पारदर्शी कानून है। लोकतांत्रिक ढांचे में सत्ता के पुनर्वितरण के दृष्टिगत आरटीआई कानून ने पहल की है। संभवत- इसी के चलते शक्तिशाली पदों पर बैठे लोग अपने दायित्व निर्वहन में सतत प्रयासरत रहते हैं। लेकिन इस कानून को हाल में निशाने पर लिया गया जब सरकारी रूपी सत्ता प्रतिष्ठान ने मंशा जताई कि उसके पास सूचना आयुक्तों के खिलाफ आने वाली शिकायतों की जांच और उनका निपटारा करने का अधिकार होना चाहिए। आरटीआई एक्ट के तहत सूचना आयुक्तों के पास अंतिम फैसला करने का अधिकार होता है। एक्ट के तहत मांगी गई सूचना न दिए जाने पर नागरिकों की शिकायतों और अपीलों पर वे ही अंतिम फैसला करते हैं। हाल के समय में प्राय- सूचना आयोग ने ऐसी सूचना देने को भी कहा जिससे सरकार को असुविधा हुई। प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता और विमुद्रीकरण संबंधी जानकारियां आरटीआई के तहत मांगा जाना ऐसे उदाहरण हैं, जिनने सरकार को सांसत में डाला। मीडिया रिपोटरे के मुताबिक, सरकार ने दो नौकरशाह-नीत कमेटियों की स्थापना का प्रस्ताव रखा है। एक कमेटी मुख्य सूचना आयुक्त के खिलाफआने वाली शिकायतों पर जांच करके फैसला करेगी।

हैलो.. हैलो..

हॉस्पिटल

गवर्मेंट सैटेलाइट हॉस्पिटल, बनीपार्क	2202449
महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट	2610616
एसएमएस हॉस्पिटल	2560291
जनाना हॉस्पिटल	2378721
ईएसआई डिस्पेंसरी, मालवीयनगर	2522724
ईएसआई डिस्पेंसरी, प्रताप नगर	2792594

पुलिस

कंट्रोल रूम, जयपुर सिटी	2575715
कंट्रोल रूम, जयपुर ग्रामीण	2575774
कंट्रोल रूम, यातायात	2565630

होटल-ट्यूरिज्म

गणगौर	0141-2371641, 2371642, 2371644, 2371646
स्वागत	0141-2200595, 2206701, 09950996242
तीज	0141-2205482, 2205473, 2203199, 09829058458
होटल खासा कोठी	0141-2375151, 4063000, 09414073182

रोडवेज

कंट्रोल रूम हैड ऑफिस	0141-2373044
सेंट्रल बस स्टैंड सिंधी कैंप	0141-2207906, 2207912, 207913, 2207914
डीलक्स बस आरक्षण	0141-2205790
ड्यूटी ऑफिसर प्लेटफार्म	0141-2207907
ड्यूटी ऑफिसर सिंधी कैंप	0141.2207903

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131
रेलवे पूछताछ	139

हैल्प लाइन

चाइल्ड हैल्प लाइन	0141-2353997-1098
बिजली हैल्प लाइन	0141-2354900-1912
ऑपरेशन गरिमा	0141-2204475
एनीमल हॉस्पिटल हैल्प लाइन	0141-2373237
हैल्प इन सफरिंग हैल्प लाइन	0141-2760012

ब्लड बैंक

संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल	0141- 2566251, 2574189
सवाई मानसिंह हॉस्पिटल	0141-256 02912
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	0141-2545293, 2721771

अग्निशमन केन्द्र

अग्निशमन हैल्पलाइन	101
बनीपार्क	0141-2201898
बाईस गोदाम	0141-2211258
घाट गेट	0141-2615550
विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र	0141-2332573
एम आई रोड	0141-2375925

सांस्कृतिक केन्द्र

जवाहर कला केंद्र	0141-2706560
रविन्द्र मंच	0141-2619061

ट्यूरिस्ट प्लेस

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम	0141-2570099
आमेर फोर्ट	0141-2530293
बिरला प्लेनेटोरियम	0141-2385094,
हवा महल	0141-618862
जंतर मंतर	0141-2610494
जयगढ़ फोर्ट	0141-2274848
नाहरगढ़ फोर्ट	0141-5148044
जयपुर जू	0141-2680494
राम निवास गार्डन	0141-2617319
साइंस पार्क	0141-2304654
सिटी पैलेस	0141-2608055

एम्बुलेंस

एम्बुलेंस हैल्पलाइन	108
जेके लोन एम्बुलेंस	0141-2619827
महिला चिकित्सालय एम्बुलेंस	0141-2601333
एसएमएस एम्बुलेंस	0141-2560291
रेड क्रास एम्बुलेंस	0141-2617214

एयरलाइंस

एयर अरेबिया	0141-5115455
इंडिगो एयरलाइंस	0141-5119992
एयर इंडिया सिटी	0141-2744840, 2743500
ओमान एयरवेज	0141-4002041
एयर अरेबिया	0141-2378501, 2378204
एयर इंडिया	0141-2721333, 2721519
गो एयर	0141-6500803
जेट एयरवेज	0141-5112222
स्पाइस जेट	0141-5119882

दुर्घटना थाना

ईस्ट	2587436
वेस्ट	2577717
नॉर्थ	2568721
साउथ	2575171

कैसे बुझाई जाती है आग

आग चाहे किसी भी कारण से लगी हो, उसके लिए तीन बातों का होना आवश्यक है- ईंधन, ऑक्सीजन तथा ऊष्मा जो ईंधन का तापमान ज्वलनांक तक बढ़ा सके। यदि इनमें से किसी एक या दो कारणों को भी नष्ट कर दिया जाए, तो आग बुझाई जा सकती है। अर्थात जलते हुए ईंधन का तापमान कम करके, ऑक्सीजन की सप्लाई काटने या जलने वाले ईंधन को ही समाप्त कर दिया जाए तो आग पर काबू पाया जा सकता है।

पानी शायद सबसे पहला आग बुझाने वाला साधन था और आज भी है, लेकिन हर प्रकार की आग पानी से नहीं बुझाई जा सकती अन्यथा वह और भड़क सकती है। कागज, कपड़े, लकड़ी आदि में लगी आग पानी डालने से बुझ जाती है। आग पर पानी डालने से ईंधन का तापमान उसके ज्वलनांक से कम हो जाता है, क्योंकि पानी गर्मी को सोख लेता है। पानी को धार के रूप में डालने से आग शीघ्र बुझ जाती है। मकान, दुकान आदि में लगी आग को फायर ब्रिगेड पानी डालकर ही काबू पाता है। जहां फायर ब्रिगेड नहीं होता, वहां लोग बाल्टियों से पानी छिड़कते हैं। इसके अलावा एक अन्य तरीके से भी आग बुझाई जाती है। सोडा एसिड अग्निशमकों में एक बेलनाकार बर्तन में सोडियम बाइकाबरेनेट रखा जाता है। किसी एक जगह गंधक के अम्ल से भरी हुई बोतल रखी जाती है। इस बर्तन में एक नॉब लगी होती है। जब इसका इस्तेमाल करना होता है तो इस नॉब को जमीन पर जोर से मारते हैं। इससे बोतल टूट जाती है। इससे अम्ल और सोडा एक दूसरे के संपर्क में आ जाते हैं जिनसे कार्बन डाईआक्साइड पैदा होती है। यह गैस बेलनाकार बर्तन में लगे नोजल से बाहर आती है। नोजल को

आग की तरफ कर देते है। इससे जलते हुए ईंधन का तापमान कम हो जाता है तथा ऑक्सीजन की सप्लाई कट जाती है। ये अग्निनाशक छोटी जगह लगी आग बुझाने में बड़े काम आते हैं। आमतौर पर ऑफिसों, वर्कशॉप आदि में इनका इस्तेमाल होता है। पेट्रोल, मिट्टी के तेल या बिजली से लगी आग को पानी से नहीं बुझाया जा सकता। तेल, ग्रीस आदि पदार्थ पानी से हल्के होते हैं इसलिए पानी डालने से ये पानी के ऊपर तैरने लगते हैं और जलते रहते हैं। अत- इनके लिए अन्य साधनों का इस्तेमाल करना होता है। इस प्रकार की आग बुझाने के लिए झाग यानी फोम का इस्तेमाल किया जाता है। इन अग्निशामकों में पैदा हुआ झाग ऑक्सीजन की सप्लाई को काट देता है। इसमें सोडियम बाई काबरेनेट तथा एल्युमीनियम सल्फेट का मिशण्रजिसमें लिकोराइस का सत मिला होता है, छिड़का जाता है। इस मिशण्रसे उत्पन्न झाग आग बुझा देता है। तेल और बिजली से लगी आग पर काबू पाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड अग्निशामक, शुष्क रसायन अग्निशामक तथा द्रववाष्पित अग्नि शामक भी प्रयोग में लिए जाते हैं।

बहुत कुछ कहता है आपका ढंग

बातचीत के तौर-तरीकों से किसी के बारे में बहुत कुछ जाना व समझा जा सकता है। वैसे भी इन दिनों बड़े-बड़े बाजार बातचीत के जरिये ही साकार हो पाते हैं। देखा जाए तो इंटरनेट का बहुत बड़ा बाजार सिर्फ और सिर्फ बातचीत की वजह से ही चल रहा है।

अच्छी वाणी बोलने से सौ दोस्त बनाए जा सकते हैं, जबकि बुरे शब्द सैकड़ों दुश्मन पैदा कर सकते हैं। असल में हम बातचीत के जरिये ही किसी के व्यक्तित्व को समझने की कोशिश करते हैं। लेकिन शायद आप यह न जानते हों कि अपकी बोलचाल की रफ्तार भी बहुत कुछ बताती है वास्तव में जिस तरह हमारी भावभंगिमाओं से हमारे मन में चल रही हलचल के बारे में बताया जा सकता है, ठीक इसी तरह बोलचाल की रफ्तार यानी भाषा की रफ्तार से यह जाना जा सकता है कि हमारे मन में क्या चल रहा है या फिर हम किस तरह की सोच से ग्रसित हैं। निस्संदेह यह जानना काफी दिलचस्प है। लेकिन मनोवैज्ञानिकों की मानें तो बोलचाल की रफ्तार किसी के जीवन को समझने में महवपूर्ण भूमिका अदा करती हैं

व्यवहार का अंदाज

यूं तो तेज बोलना बेहद सहज गतिविधि है। कोई तेज बोलता है तो कोई धीरे बोलता है। कुछ लोग बातचीत के दौरान हकला भी जाते हैं। तो कुछ लोगों की बातें इतनी तेज होती है कि आसानी से समझ ही नहीं आती। लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो हमारे बातचीत का हर अंदाज हमारे व्यवहार विशेष की ओर इंगित करता है। दरअसल हम हमेशा एक जैसे नहीं रहते। इंसान शांत भी होता है और उग्र भी। मौका पड़ने पर उसकी आंखें नम भी हो सकती हैं तो जरूरत पड़ने पर उन्हीं आंखों से क्रोध की ज्वाला नजर आ सकती है। कहने का मतलब यह है कि तेज बोलने के जरिये हम व्यक्ति विशेष के बारे में बहुत-सी चीजें जान सकते हैं। धीरे बोलना भी हमारे स्वभाव के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि हमारा आत्मविास बहुत कम है, साथ ही हमारे पास बोलने के लिए बहुत कुछ नहीं है। इसलिए धीरे-धीरे बात करते वक्त जाया करना चाहते हैं। हालांकि सबके लिए इस तरह की परिभाषा गढ़ना सही नहीं है। कुछ लोग जन्म से ही धीरे बोलने के आदी होते हैं। इसे आप जन्मजात स्वभाव कहें तो गलत नहीं होगा। मगर जरूरत पड़ने पर भी जो व्यक्ति अपनी तेज आवाज की झंकार न बिखेर सके तो उस व्यक्ति का असर भी लोगों पर कम ही पड़ता है। शायद आपको ज्ञात न हो कि इंसान की आवाज उसकी दूसरी पहचान होती है। हमारे चेहरे से लोग हमें समझने की कोशिश करते हैं और आवाज से पूरी तरह समझ जाते हैं। वास्तव में आवाज हमारी पूर्ण पहचान हैं इसलिए आवाज का दमदार होना बहुत जरूरी है।

सौम्य और मधुर आवाज

आवाज का यानी हमारी बोलचाल के ढंग का व्यक्ति दर व्यक्ति पर असर पड़ता हैं पुरु ष के लिए बोलचाल की रफ्तार अलग तरह से मायने रखती है, जबकि महिलाओं के लिए पुरु षों से बिल्कुल इतर बोलचाल के अलग मतलब होते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में महिलाओं का कम बोलना ही उसकी गरिमा को बढ़ाता है। हालांकि आज इस परिभाषा में काफी कुछ बदलाव आ गया है। लेकिन महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि उनकी आवाज मधुर होगी यानी उनकी आवाज मेंहमेशा सौम्य, सी और मिठास की तलाश की जाती है। इसी से अंदाजा लगाया जाता है कि महिला जीवन में अपने परिवार के प्रति कितनी समर्पित रहेगी। जबकि पुरु षों के लिए कहा जाता है कि उनकी आवाज में दम होना चाहिए। एक विशेष किस्म की गर्जना होनी चाहिए। पुरु षों की दमदार आवाज ही एहसास कराती है कि वह कितना जिम्मेदार व्यक्ति है। कहने का मतलब यह है कि बोलचाल की रफ्तार हमारा पूरा काला-चिट्ठा खोलकर रख सकती है।

कोबरा भी डरता है नेवले से

नन्हे और फुर्तीले नेवलाको देख कर कोई नहीं कह सकता कि यह इतना अधिक साहसी होगा कि सांपों में सबसे अधिक खतरनाक व जहरीले कोबरा से टक्कर लेता होगा, लेकिन यह हकीकत है कि नेवला से कोबरा भी भय खाता है।

दिखने में भोला-भाला, सीधा-सादा पर बेहद खतरनाक। जी हां, कोबरा व नेवला आमने-सामने पड़ जायें तो नेवला के खतरनाक तेवर आसानी से दिख जायेंगे। कोबरा किसी तरह से बच निकलने की कोशिश में दिखेगा तो वहीं नेवला किसी भी हालत में उसे बच कर नहीं जाने देगा। बेहद चपल और चालाक नेवले को देख कर कोई नहीं कह सकता कि यह नन्हा सा जीव इतना साहसी और खतरनाक होगा कि सांपों में सबसे अधिक खतरनाक व जहरीले कोबरा से टक्कर लेता होगा लेकिन यह हकीकत है कि नेवला से कोबरा भी भय खाता है। नेवला आबादी व बस्ती से लेकर गुफाओं व घने जंगलों में मिल जायेगा। नेवला खास तौर से भारत, नेपाल, श्रीलंका व दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया के तमाम देशों में पाया जाता है। इसे वन्य जीव-जन्तुओं की श्रेणी में गिना जाता है, लेकिन खेत-खलिहान में भी नेवला की आवाजाही आसानी से देखी जा सकती है। मांसाहारी स्तनधारी जीव नेवला की दुनिया में करीब 33 प्रजातियां पायी जाती हैं।

सामान्यत: देखा जाये तो प्रकृति की व्यवस्थायें भी बड़ी अजीब हैं। कोबरा से पशु-पक्षी, जीव जन्तु यहां तक कि मनुष्य भी भय खाता है क्योंकि कोबरा के जहर (विष) से जीवित बच पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होता है। वहीं नेवला पर कोबरा के विष का कहीं कोई असर नहीं होता। नेवला जहां एक ओर कोबरा व अन्य सांपों के लिए एक खतरनाक दुश्मन होता है वहीं इंसान के लिए कई बार शुभंकर भी साबित होता है। भारतीय इतिहास व परंपराओं-मान्यताओं में नेवला को शुभंकर माना गया है। मान्यतायें हैं कि सुबह सो कर उठने के बाद नेवला दिख जाये तो शुभ संकेत हैं। वहीं दिन में अन्य किसी समय नेवला का दिखना शुभ नहीं माना जाता। हालांकि आधुनिक युग में इसे अंधविास माना जाता है।

नेवला गिलहरी की भांति होता है लेकिन आकार और शरीर में गिलहरी की तुलना में काफी बड़ा होता है। इसकी त्वचा का रंग बहुतायत में गेहुंआ होता है तो वहीं नेवला अन्य रंगों में भी पाये जाते हैं। वन्य जीव-जन्तुओं में नेवला की अलग ही खूबसूरती दिखती है। कई बार नेवला की यह खूबसूरती ही उसकी जान की दुश्मन बन जाती है। नेवला के बालों का रंग सुनहरा होता है। बालों का

यह सुनहरापन ही उसे खूबसूरत बनाता है। उसके बालों का उपयोग पेंटिंग ब्रश व सेविंग ब्रश में अधिकतर किया जाता है। खूबसूरत बालों के कारण ही उसका शिकार भी होता है। वन्य जीव संरक्षण की सोच समाज में आने-होने से इस खूबसूरत वन्य जीव-जन्तु को बचाया जा सकता है क्योंकि किसी भी जीव जन्तु की हत्या अपने सुख-संसाधन व सुविधाओं के लिए किया जाना कतई उचित नहीं होगा। अन्यथा इस जीव प्रजाति पर एक दिन अस्तित्व का संकट आ जायेगा।

अपनी बेटी के अंदर कैसे जगाएं आत्मविश्वास

हम एक ऐसे समाज में रह रहें हैं जहाँ हर व्यक्ति की अपनी एक विचारधारा है। ऐसे में अपने बच्चों को सही शिक्षा देना, कई माँ बाप के लिए मुश्किल हो जाता है। अपने आस पास अगर आप नज़र डालें तो पता चलेगा कि कोई भी लड़की किसी लड़के से कम नही है। बल्कि वह लड़को से ज्यादा अच्छे से अपना काम कर सकती है। लेकिन फिर भी अगर आप लड़की के माँ बाप हैं, तो आपको अपनी लड़की की परवरिश करने में कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ता होगा।

अपने मासूम बच्चे को इस तरह बताएं यौन शोषण के बारे में लेकिन अब आपको घबराने की जरुरत नहीं है क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देने वाले हैं, जिन्हें अपना कर आप अपनी बेटी को साहसी और आत्मविश्वासी बना सकते हैं।

उसके विश्वास को बढ़ाएं

उसके विश्वास को बढ़ाएं इससे उसके अंदर प्रोत्साहन बढ़ेगा। लेकिन अपनी बेटी के उन विशवास या सोच को बढ़ावा दें जिस में सच्चाई हो। उसे गलत और सही में फर्क सिखाएं।

उसकी सोच को अर्थमय बनायें

यही उसकी सफलता का राज बनेगा। उसकी सोच, अगर आपकी बेटी की सोच सकारात्मक हुई तो वह मुश्किल से मुश्किल हालात से लड़ लेगी। और यह एक दिन में नहीं होगा, यह आपको उसे बचपन से सीखना होगा।

उसे अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाएं

अपनी बेटी को अपने ऊपर विश्वास करना सिखाएं। उसे स्वार्थी ना बनायें बल्कि उसे सिखाएं कि उसे दूसरों से कैसे बर्ताव करना चाहिए। उसे अपनों से बड़ों और शिक्षकों की इज़्ज़त और सम्मान देना सिखाएं।

उसे काबिल बनायें

अगर आपको अपनी बेटी के अंदर विश्वास बनाये रखना है तो उसे काबिल बनायें। उसकी काबिलियत उसे आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। और अपनी काबिलियत की वजह से ही वह अपनी ज़िन्दगी में आगे बढ़ेगी।

उसे एक आदर्श महिला की प्रेरणा दें

लड़कियां बहुत भावुक होती हैं, इस लिए अगर आप उनके सामने एक आदर्श महिला के बारे में बताएंगे तो वह उनसे प्रेरणा लेके। अपने कैरियर आगे बढ़ेंगी।

तारीफ करें

अपनी बेटी की तारीफ करें, आपकी तारीफ उसकी कमजोरियों को उसकी ताकत बना देंगी। अपनी बेटी की तारीफ करते वक्त यह ध्यान रहें कि आप उसे यह बातएं कि अगर वह थोड़ी और मेहनत करती तो शायद वह इससे अच्छा कर सकती थी।

उम्र के अनुसार क्रिएटिविटी को बढ़ाने का करें प्रयास

आजकल के बच्चे प्रतिभा व ज्ञान के मामले में अपने माता-पिता से कई गुणा बढ़ कर होते हैं । आगे बढने के लिए बच्चों का शार्प माइंडेड होना बहुत जरूरी है और उन्हें वह सब कुछ पता होना चाहिए जो उनके लिए जरूरी है । कई बार तो पढ़े-लिखे होने के बाद भी जो बातें माता-पिता को पता नहीं होतीं वे उनके बच्चों को पता होती हैं । आजकल के बच्चे जहां मोबाइल ऑप्रेट करना जानते हैं, वहीं उन्हें कम्प्यूटर का भी पूरा ज्ञान होता है । इसका कारण यह है कि बच्चों में सीखने व जानने की क्षमता बड़ों से अधिक होती है । बच्चे की उम्र के अनुसार उसकी क्रिएटिविटी को बढ़ाने का प्रयास करें ।

- बच्चे के साथ पजल सॉल्व करें और उसे फोटो देख कर खुद पजल बनाने के लिए कहें ।
- बचपन से ही बच्चे को पैसे की अहमियत के बारे में बताएं। उसे एक सेविंग बॉक्स दें और बचत की आदत डालें।
- कभी-कभी बच्चे को उसकी समझ से ऊपर की पुस्तकें पढ़ कर सुनाएं, ताकि उसे नए कंसैप्ट्स और नए आइडियाज के बारे में पता चले
- बच्चे का आत्म विश्वास बढ़े, इसके लिए उसे घर पर आने वाली फोन कॉल्स रिसीव करने के लिए कहें ।
- यदि घर में बच्चा इकलौता हो तो केयरिंग और शेयरिंग की आदत विकसित करने के लिए कभी मित्रों और रिश्तेदारों के बच्चों को खाने के लिए रोकें या रात रुकने के लिए कहें ।
- बच्चे को खेल और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज़ जैसे डांस, ड्रामा एवं चित्रकला आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
- जब कभी आप घर में अपना काम कर रही हों और साथ-साथ खेल भी रही हों, तो कुछ शब्दों के नाम लें और उनके विपरीत शब्द भी बोलें।

राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

दो नये जिलाध्यक्ष तथा प्रियदर्शिनी विंग की नई प्रदेश समन्वयक भी नियुक्त

प्रदेश प्रवक्ता मंडल को किया भंग, ललिता महरवाल को मीडिया की जिम्मेदारी

पुनर्गठित प्रदेश कार्यकारिणी में सक्रिय और युवा चेहरों को मिला अवसर

सफल राजस्थान

बीना शर्मा

अवनी चौधरी

वीरजा एस. जावा

शीला गुर्जर

शशि गुप्ता

रानी झा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं सांसद सुष्मिता देव की अनुमति और राज्य प्रभारी एवं महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव नीतू वर्मा सोईन के निर्देशानुसार अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया है। पुनर्गठित प्रदेश कार्यकारिणी में रेहाना रियाज चिश्ती ने 30 उपाध्यक्ष, 52 महासचिव और 40 सचिवों की नियुक्ति की है। इसके अलावा महिला कांग्रेस की प्रियदर्शिनी विंग की नई राज्य समन्वयक भी नियुक्त की गई है तथा श्रीगंगानगर और झालावाड़ के जिलाध्यक्षों को बदला गया है। प्रदेश अध्यक्ष रेहाना रियाज ने अपने प्रवक्ता मण्डल को भंग कर दिया है। नये आदेशों तक प्रदेश महासचिव ललिता संजीव महरवाल मीडिया का कार्य देखेंगी।

पुनर्गठित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर अनिता सोलंकी, अंजना खत्री, केशर शिकोह, कुन्ती देवड़ा परिहार, मुन्नी देवी गोदारा, रागिनी चतुर्वेदी, रतन देवी, रेखा कंवर, रेखा लोहिया, सरोज चौधरी, सरोज सरगरा, सरस्वती लेघा, सावित्री मीणा, सीमा पंचोली, शान्ता प्रिंस, शारदा रोत, शर्लेट शामू, शीला सैनी, सुमन गुर्जर, तारा पूनिया, उर्मिला शर्मा, विजय बाला शर्मा, नाहिदा बेगम, उर्मिला जोगी, पुष्पांजली पारीक, मधु जाजू, कैलाश बाई मीणा, इन्द्रा सोनी, सुनीता गठाला और सुनीता सत्यार्थी को नियुक्त किया गया है।

प्रदेश महासचिव के पद पर अलका बैरवा, अनिता शर्मा, बबीता ढिलवाल, बीना शर्मा, भूपेन्द्र कौर टुर्ना, डॉ. पुष्पा गुप्ता, गीता वर्मा, कमला अटवाल श्रीगंगानगर, नमिता सेठी, कमला विश्नोई, बीकानेर, लाड वर्मा, ललिता संजीव महरवाल, मालती शर्मा, ममता वशिष्ठ पलसीकर जयपुर, मंजू बलाई अजमेर, मंजू शर्मा, मिनाक्षी परमार, मृदुला कोठारी, राशिदा बानो बाड़मेर, रेखा कसोलिया, संतोष जाखड़, सारिका सिंह, सरोज गुर्जर, शर्मिला यादव, सुषमा बारूपाल, तारा बेनीवाल, उर्मिला धायल, विमला गुर्जर, विमला जाजोरिया, अर्चना शर्मा आबू रोड़, आशा कंवर, आशा नामा, अवनी चौधरी, गीता बरबड़, लीलावती वर्मा, माया देवी बैरवा, रीना बैरवा, रेनू मेघवंशी, सीमा देवी मेघवाल प्रधान रावतसर, तृप्ति ईलानी, वीरजा एस. जावा, विजयलक्ष्मी पटेल, सविता यादव प्रधान नीमराना, निर्मला सोनी, निकिता हाड़ा, उषा शर्मा, मंजू शर्मा बारां, आईना महक कोटा, अनिता जाटव, डॉ. पुष्पा सैनी सीकर, यशोधरा कुबेर सिंह को नियुक्त किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती ने 40 सचिवों की नियुक्ति की है जिनमें आशा गुप्ता जायसवाल, बेनजीर खान, भावना मेघवंशी, बिलकेश चौपदार, दिव्या चौधरी, गायत्री मेहरा, हबीबा चौधरी, जन्नत खोखर, कंचन मीणा, प्रेम कुशवाहा, सीमा त्रिवेदी, शारदा टेलर, जीत कौर सागवान, रेखा शर्मा, राजबाई मीणा, शारदो गुर्जर, सीमा भारद्वाज, मोहिनी विजय सिंह, कृष्णा शर्मा राजावत, फरजाना, अर्चना दुबे, अमरीन कुरैशी, शीला गुर्जर, रीतू धवन, शिल्पी नन्दवाना, मनोज कुमार, भगवान कंवर, डिम्पल कंवर राठौड़, अमरजीत कौर, शोभा टांक, कल्पना मीणा टोडाभीम, राधा भार्गव, बिमला शर्मा अलवर, बिल्किश बानो जोधपुर, सोहिनी मेघवाल जोधपुर, मंजू गोस्वामी, रानी झा, सुरबाला चौधरी, मारूति नन्दिनी और शशि गुप्ता को सचिव पद पर नियुक्ति दी गई है। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष रेहाना रियाज रिश्ती ने राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की स्टेट वर्किंग कमेटी में महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. गिरिजा व्यास, डॉ. प्रभा ठाकुर, डॉ. कमला बेनीवाल, विजयलक्ष्मी विश्नोई, शकुन्तला रावत, सुमित्रा काटिया, निलोफर खान, निर्मला चौधरी, किशोरी रानी, अंजना जैन, विजयलक्ष्मी गुर्जर, सरला पाण्डे, अरूणा स्वामी, विजयलक्ष्मी विश्नोई, ममता भूपेश और शुभलक्ष्मी पुरोहित को शामिल किया है।

महिला कांग्रेस की दो नई जिलाध्यक्ष नियुक्त : श्रीगंगानगर जिला महिला कांग्रेस का कमला विश्नोई को तथा झालावाड़ जिला महिला कांग्रेस का दिव्या गुर्जर को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

प्रियदर्शिनी विंग की राज्य समन्वयक नियुक्त : महिला कांग्रेस की प्रियदर्शिनी विंग की नई स्टेट समन्वयक तथा सह-समन्वयक नियुक्त की गई हैं। इनमें कुन्ती देवड़ा परिहार को समन्वयक तथा मोनालिसा पुरोहित जोधपुर को सह-समन्वयक नियुक्त किया गया है।

बेस्ट कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड का एक कार्यालय एस-8, दूसरी मंजिल, गोविंद मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, गुरुद्वारा मोड़ के पास खुला। कार्यालय की पूजा-अर्चना करते हुए इंदर सिंह व बेस्ट कैपिटल के डायरेक्टर अर्जुन बगड़िया।

लोहा मंडी पंडित जी के चौराहे पर जनहित लोक मंच के द्वारा 21 जनहित राशन वितरण केन्द्रों का शुरू किये गए जिनका उद्धघाटन देवेन्द्र शर्मा (रींगस) राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवा रक्षा दल के द्वारा किया गया। इस मौके पर जनहित लोकमंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम दीक्षित ओर जनहित लोकमंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शमशेर अली राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश अग्रवाल एवं जनहित लोकमंच राजस्थान प्रदेश के कार्यकारणी सदस्य टेम्स अली और वितरक आनंद वैध और जनहित लोकमंच के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

रामबाबू सोनी जयपुर जिले के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (सफल राजस्थान)। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) ने आदेश जारी कर भगवा रक्षा दल में जयपुर जिले के जिला उपाध्यक्ष पद पर रामबाबू सोनी को मनोनीत किया गया है। साथ ही उन्हें आदेशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभायें। जिससे संगठन को मजबूती प्रदान हो।

वैष्णव सवाई माधोपुर जिले के (प्रकोष्ठ) के जिला अध्यक्ष बने

जयपुर (सफल राजस्थान)। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) ने आदेश जारी कर भगवा रक्षा दल में सवाई माधोपुर जिले का चिकित्सा (प्रकोष्ठ: का जिला अध्यक्ष पद पर कमलेश कुमार वैष्णव को मनोनीत किया गया है। साथ ही उन्हें आदेशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभायें। जिससे संगठन को मजबूती प्रदान हो।

बालिका और महिलाओं को सम्मान और रोजगार दिलाएंगे : अलका शर्मा

सफल राजस्थान

जयपुर। हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में महिला एवं बालिका जागृति मंच द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को रोजगार दिलाकर, स्वाबलम्बी बनाने की दिशा में मल्टीनेशनल कंपनियों में जोब दिलवाई ताकि बह अपने पैरों पर खड़ी हो सके और समय के साथ चल सके संस्था की संचालिका अलका शर्मा और कोषाध्यक्ष हेमलता शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था महिला एवं बालिका जागृति मंच समय-समय पर महिलाओं को रोजगार दिलाकर उन्हें समाज मे सम्मान और रोजगार दिलाते ही रहते है, इस आयोजन में सभी बालिकाओं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रमेशचन्द्र गुप्ता 'तुंगा वाला' का अखिल भारत वर्षीय खण्डेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर चयन

सफल राजस्थान

जयपुर। फोर्टी उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र गुप्ता 'तुंगा वाला' अखिल भारतवर्षीय खण्डेलवाल वैश्य समाज की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय खण्डेलवाल वैश्य महासभा के 34वें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में 2471 मतों से विजय होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये है। इस चुनाव में तीन प्रत्याशी अध्यक्ष पद चुनाव के उम्मीदवार थे जिनमें से सर्वाधिक 14917 मत रमेशचन्द्र गुप्ता 'तुंगा वाला' जी को प्राप्त हुये।

दीपक शर्मा गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

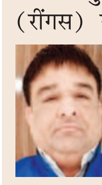

जयपुर (सफल राजस्थान)। देवेन्द्र शर्मा (रींगस) राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवा रक्षा दल ने दीपक शर्मा को गुजरात का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया। मुझे आशा और उम्मीद है कि आप गुजरात प्रदेश मैं संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए पूरा प्रयत्न करेंगे और पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभायेंगे।

सैनी कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त

जयपुर (सफल राजस्थान)। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मांगीलाल पंवार के निर्देशानुसार एवं समाज व संगठन के प्रति आपकी कर्त्तव्य निष्ठा एवं लगन शीलता को देखते हुए आपको महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान जयपुर शहर के कोषाध्यक्ष के पद पर सत्यनारायण सैनी को मनोनीत किया। पंवार ने कहा मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपके मनोनयन से समाज एवं संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी व महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करेंगे।

अग्रवाल समाज की अग्रोहाधाम सहित अन्य दर्शनीय स्थलों की त्रिदिवसीय यात्रा मई में

अजमेर (सफल राजस्थान)। अग्रवाल समाज अजमेर की ओर से अग्रवाल समाज के अग्रकुल प्रवर्तक श्री अग्रसेन महाराज की जन्म स्थली एवं कर्म भूमि अग्रोहाधाम (हिसार) सहित राजस्थान के प्रमुख दर्शनीय स्थलों की त्रिदिवसीय यात्रा का कार्यक्रम निर्धारित किया गया। यह यात्रा 25, 26 व 27 मई को होगी। अग्रवाल समाज अजमेर के अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेन्द्र अग्रवाल व महासचिव नरेन्द्र बंसल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री अग्रसेन महाराज की जन्म स्थली एवं कर्म भूमि अग्रोहाधाम होने से अग्रवाल बन्धुओं की इच्छा रहती है कि अग्रोहाधाम की यात्रा करे एवं सभी की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अग्रवाल समाज अजमेर ने श्री अग्रोहाधान की सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा का त्रिदिवसीय कार्यक्रम तैयार किया है। इस यात्रा के लिए तीन 2×2 एसी बसों की व्यवस्था की गई है।

तीये की बैठक

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी आदरणीय भाभीजी

श्रीमती मंजू शर्मा

का स्वर्गवास दिनांक 06.04.2019 को हो गया है।
जिनकी तीये की बैठक आज दिनांक 08.04.2019 को सायं 3 से 4 बजे, आदर्श विद्या मन्दिर, अम्बाबाडी, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल
कौशल्या गौड़- गोपाल गौड़
शंकरलाल | दिव्या-अमित, सौम्या-गणेश
लक्ष्मण-सुनिता, किशन-अंजु | नूपुर-रोहित, संदीप-नीतू
गुंजन, राहुल, राजीव, आशुतोष, अनुराग, मेघना, अवनतिका, ईवा, आरव डी

फर्म: रुकमणी ज्वैलर्स प्रा. लि. रुकमणी वॉच वर्ल्ड विद्याधर नगर, जयपुर
राजस्थान सिल्वर हाऊस, मानसरोवर, जयपुर, फोन: 2232441

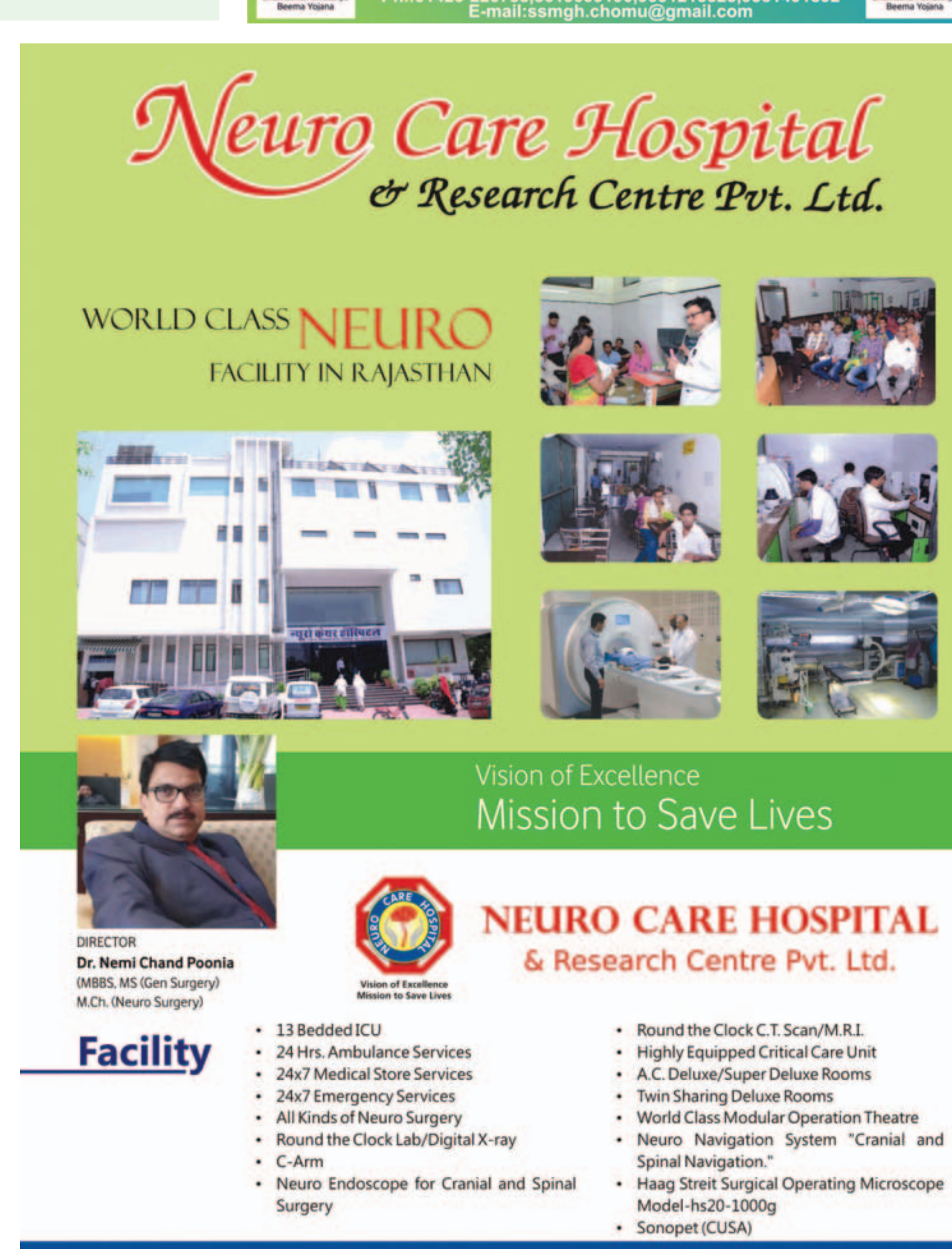

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के. प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर में मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 8829966661, 9251166661, 9214466661